# क्षम विभाग

#### ऋदिश

#### दिसांक 7 अज्रेल, 1986

्सं० ग्रो० वि०/एफ डी ०/120-85/12316 - चूंकि हरिबाणा के राज्यवाल की रामे है कि मैं० ग्राई० ए० पी० सी०, प्लाट नं० 45, सैक्टर-6, फारीदाबाद, के श्रमिक द्या श्रम्भकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मानले के सम्बन्ध में कोई श्रीकोगिक विवाद है:

् श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यवाल इस विवाद की त्यावनिर्यव हेतु निर्दिष्ट करना बांक्रनीय समझते हैं ;

इस लिंगे, अब, श्रीकोगिक विवाद अधिनिश्व, 1947 की कारा 10 की क्व कारा (1) के क्वाड (व) द्वारा प्रदान की गई शक्तिकों का प्रयोग करते हुए हरिकाणा के राष्ट्रकाल इसके हारा क्वा श्रीकित्व की कारा 7-क के जबीन गढित औदकींगिक अधिकरण हरियाणा, फरीदाबाद को ब्रीले विविद्ध मिनले को कि उक्त अवन्यकों हवा श्रीकिंगों के बीच या तो विवाद बस्ब नामला है अवना विवाद से मुसंगत या सम्बद्धित मामला है ज्वावनिश्य एवं वंचाड क: नास में हेने हेतु निदिष्ट करते हैं:---

नया श्री हरि चन्द, पुत्र श्री चांदी राम की बाविक नृद्धि रोकते की तजा त्वावाचित है और वशा श्रीमक निस्तिनस मजज का पूर्व बेतन पाने का हकदार है-? वदि देता है तो किस बिवरण से ?

> नुबनन्त तिई, विकासुन्त एवं सचित्र, इरियाणा सरकार, अन समारोजगार विकास ।

## विनोक 21 मार्च, 1986

सं ग्री वि /एक डी o / 11169. — कूलि हरियाणा के राज्यपाल की रावे हैं कि वै • गुडगांवा बैन्ट्रल को बोर्बेदिय वैक लि • , गुडगांवा के अमिक भी बाव कान तथा उसके ब्रवन्यकों के मध्य इसमें इसके बाद लिबिस बावजे में कोई बौद्योगिक विवाद है ;

<sup>98</sup> ब्रीर चूंकि हैरियाणा के राज्यपास निवाद को न्यायनिर्णंद हेतु निर्दिश्ट करना बांक्रमीय नर्मक्रके हैं ;

इसलिए, श्रव, भौजोगिक विवाद श्रिमिनयम, 1947 की धारा 18 की चपश्चारा (1) के चण्ड (म) द्वारा, प्रदान की गई मिल्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसँके द्वारा सरकारी श्रीवत्त्रना सं• 5415- हु-श्रव- 68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए श्रविस्चता सं• 11495-जी-श्रव- 67/11245, दिनांक 7 करवरी, 1958, द्वारा उन्द्र श्रिवित्तम की धारा 7 के श्रवीन गठित अभ न्यायालय, करीदाबाद, को विवादश्रत्त या श्रव में सुतंगत या ववते बंबित मीचे विवादश्रत्त या श्रव में सुतंगत या ववते बंबित मीचे विवादश्रत्त मामला न्यायित्रणय एवं पंचाट तीन मात में देने हेत् निदिश्य करते हैं जोकि सन्द्र प्रवत्त के वीन वा तो विवादश्रत्त मामला है मा विवाद के सुतंगत श्रवना संबंधित सामला है :---

न्या भी जान बात, पुत श्री साई सान की सेनाओं का समापन त्याबोजित बना क्षेत्र है ? वदि नहीं, तो वृह किस राहत का बकदार है ?

### ं दिनांकी 7 अप्रैल, 1966

सं ० श्रो • वि • | पानी | 20 - 86 | 1229 • - चूंकि हरिकाणा के राज्यवाल की, रावे है कि में • काहन उच्चोग, ई- 32-बी • , इन्डस्ट्रीय ए खा, पानी प्रव, के श्रीमक श्री राज में बाज क्षत्रा उक्के प्रवन्धकों के कश्य इसमें इसके बाद लिखित सामले में कोई श्रीद्योगिक विभाद है ;

्त्रीर चंकि हरियामा के राष्ट्रसंपाल वियाद को त्यात्रनिर्णेश हेत् निर्दिश्य करना बांख्नीय समक्षते हैं;

इस सिने, अब अविशेषक विनाद अधिनियन, 1947 की बारा 19 की उनबारा (1) के बण्ड (ग) द्वारा बदान की गई शिक्षकों का प्रयोग करते हैं ए हरियाणा के राज्यनाल इसके द्वारा सुरकारी अधिक्यना। सं । 3(44) \$4-3-अब, दिनांक 18 अप्रैल, 1985 द्वारा उनके व्यविक्यना की धारा 7 के प्रयोग गठिस अमर्ग्यावालय अभ्याला को विवादवस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा नामला न्याविवाद से प्रवाद लीच सास में देने हेत निर्देश्य करते हैं जो कि उनके प्रयन्त्रकों क्ष्या भिनेक के विवाद वातो विवाद सेस मामला है वा विवाद से मुखंगत अभ्यवा सम्बन्धित नामका है :—

न्या श्री राम नेवाज, पुन्न श्री राम झरण की सेवाश्री का समापन लायोचित सभा ठीक है ? बदि नहीं, तो सह किस राहत का हर्कदार है ?

कें० पी • रतन, उप त्तवित्र हरियाणा सरकार, श्रम विकास ।